दिसम्बर 2018 वर्ष : 13 अंक : 12 कवर सहित पृ. सं. 44 ISSN 2277-5331

हाशिये की आवाज़

संघर्षरत लोगों की प्रथम मासिक पत्रिका

PRINCIPAL
Kanara Welfare Trust's
Divekar College of Commerce
KARWAR - 581 301

KANARA WELFARE TRUST'S DIVEKAR COLLEGE OF COMMERCE KARWAR

नक्सलवाद, सम्प्रदायवाद, आतंकवाद के साये में मानवतावाद

अपना हौसला बुलन्द करना

नारी न समझ नाजुक नाजुक
भूल जा सारे सुख और दुःख
आए बाधाएं हजार तुझ पर
बनाए रख जीवन का रूख।

अरुणिमा भी एक नारी है
साहसी, पुरुषों पर भारी है
दरिन्दों की यहां कमी नहीं
पर नारी शक्ति भी कमी नहीं।

फेंका गया चलती रेल से
टूटे–पैर, टकराई अन्य रेल से
खुद को पाया अस्पताल में
फिर टूट गया अपने आप में।

फिर धीरज बांधी एक क्षण में
विकलांग बनी, मन था साहसी
हिमाचल चढ़ने की बनी प्यासी
बिना पैर के कैसे चढ़ेगी?

मुश्किल मंजिल कैसे छुएगी
सोचते रहे अपने–पराये
मर्द की बेटी न छोड़ा पीछा
अभ्यास पाया न रहा ओछा।

सरल पहुंची हिमाचल की चोटी
बन गई पहली विश्व की बेटी
न समझ तुझमें विपुल है न्यूनता
नारी तुझमें विपुल महानता।

तुम बदलोगी सारा विश्व समझाना
तुम नहीं जग सारा सुना–सुना
एक श्वास तुम धैर्य का भरना
परम्परा का रूप नया बनाना
संध्या तुम कदम बढ़ाते करना
अपनी मंजिल आसान पाना।

श्रीमती संध्या दत्ता कदम

सम्पर्क : केनरा वेल्फेयर ट्रस्ट, दिवेकर कॉलेज ऑफ कॉमर्स, कोडीबाग, कारवार, जिला-उत्तर कन्नड़-581352, कर्नाटक

हैरान हूँ

कोई अदृश्य शक्ति
कितना सम्भाला सजाया है!
पल दो पल, साथ निभाती
सहज बनाती, जीना सिखाती
समझ सकती हूं, समझा नहीं सकती
बस अनुभूतियों में,
जीने की आदम बन गई है!
ये छोटी–छोटी खुशियां,
जीवन पतवार बन गई है!

सच ही तो है

सच ही तो है
तुम बहुत बड़े हो गए हो
सिर्फ उम्र नहीं
पद और सम्मान में भी
अब तुम्हारी अपनी दुनिया
अपना संसार है
सम्पन्नता से भरपूर
कोई अभाव नहीं
यही तो मांगा था पल–पल
अपनी दुआओं में
तुम्हारे हर बढ़ते कदम के साथ
अब भी यही मांगते हैं
आदत जो बन गई है
ये सपने हमारे ही तो थे
यही तो मांगा था हर पल खुदा से
अब बस तुमसे चाहिए
थोड़ा–सा सम्मान
प्यार का एक सम्बोधन
सम्पन्न हैं हम अभी भी
दुआओं भरा, एक दिल
है हमारे पास
तुम्हारा सम्मान हैं हम
इसे संस्कार बना लो !

मुक्ता

सम्पर्क : सी-7/247, एसडीए, नवीन निकेतन, हौज खास, नई दिल्ली-110016